वर्ष :: 34 अंक : 10
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 34 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान

14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)

फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 03 दिसंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

बोकारो में कोयला तस्करों का राज!

काले हीरे का काला कारोबार... तस्करों के लिए खुली है बंद कोलियरी, माफिया मालामाल; मजदूर बदहाल

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले में काले हीरे यानी कोयला का काला कारोबार एक बार फिर तेज हो चुका है। धड़ल्ले से बे-रोक-टोक कोयला तस्करी जारी है। जो कोलियरियां कहने को आधिकारिक रूप से बंद हैं, वो कोयला माफियाओं के लिए खुली हैं। न केवल खुली हैं, बल्कि उनके लिए मालामाल होने का जरिया भी बनी हुई हैं।

मसलन, सीसीएल के दस्तावेजों में ढोरी प्रक्षेत्र की अंगवाली कोलियरी वर्षों से बंद है, लेकिन यहां माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से दर्जनों सुरंगें बनाकर ठेकेदारी पर मजदूरों को लगाकर कोयले का अवैध उत्खनन कराया जाता है। सूत्रों के अनुसार इस बंद कोलियरी में कोयला माफियाओं का ही एकछत्र राज है। हालांकि, पुलिस के स्तर से जहां छापेमारी की औपचारिकता की जाती है, वहीं सीसीएल प्रबंधन द्वारा सुरंगों को बंद करने की खानापूर्ति भी कर ली जाती है। लेकिन, कुछ दिनों बाद फिर वही दौर शुरू हो जाता है।

ईंट भट्ठों में अवैध कोयले की होती है आपूति

सूत्र बताते हैं कि इस काम में अंगवाली पंचायत के ही कुछ लोग गरीब मजदूरों से कोयला खनन करवाकर साइकिल, मोटरसाइकिल, स्कूटर व ट्रैक्टर से पेटरवार थाना एवं जरीडीह थाना क्षेत्र के चिमनी ईंट भट्ठों एवं बंगला ईंट भट्ठों में सप्लाई करते हैं। वहीं यह कोयला झारखंड- बंगाल बॉर्डर और बंगाल के पुरुलिया जिले में चल रहे अवैध कोयला डिपो में पहुंचाते हैं। वहां से ट्रकों पर लोड कर कोलकाता से बनारस की कोयला मंडियों में फर्जी कागजात से कोयला भेजा जाता है। जाहिर है, इतना बड़ा कारोबार बगैर पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं।

सूत्रों के अनुसार कई सफेदपोशों का भी कोयला तस्करी के धंधे को संरक्षण मिलता रहा है। यही वजह है कि गोरखधंधा निर्बाध रूप से जारी है।

... तो खोखली हो जाएगी कोलियरी

बहरहाल, समय रहते अगर सरकारी तंत्र की तंद्रा नहीं टूटी, तो वह दिन दूर नहीं जब ऐसी बंद कोलियरियों से कोयला खोद-खोदकर निकाल जाएगा और बाद में कोलियरी खोखली हो जाएगी। न केवल पेटरवार, बल्कि जिले के बोकारो थर्मल, जारंगडीह, नावाडीह, फुसरो, चंद्रपुरा, चंदनकियारी सहित कई इलाकों में भी इसी प्रकार अवैध कोयले का कारोबार चल हा है, जिसे पूरी तरह रोक पाने में पुलिस विफल है या यूं कहें कि यह विफलता प्रायोजित है। इधर, बोकारो थर्मल एवं जारंगडीह रेलवे स्टेशन के बीच अवैध तरीके से कोयला पोड़ा लगाने से रेलवे ट्रैक पर खतरा बना रहता है। यहां कोयला तस्कर कोयला जमा कर उसका पोड़ा लगाते हैं। धुआं बाहर न निकले, इसलिए इसे जमीन में ही गड्ढ़ा खोदकर पोड़ा लगाया गया है।

रेलवे ट्रैक के किनारे किनारे अवैध रूप से दर्जनों जगहों पर कोयला ढ़ेर लगाकर उक्त स्थल में ही पोड़ा लगाया जाता है। ट्रैक से सटे मात्र 5 से 10 मीटर की दूरी पर ही झाड़ी के भीतर कोयला का पोड़ा लगाकर वहीं से बोरी में भरकर बाहर भेजा जाता है। नाम न छपने की शर्त पर कहा गया कि यहां से रात के अंधेरों में ही कोयला बाहर भेजा जाता है। जबकि, दिनभर यहां से बाइक से बेरोक-टोक ढुलाई चलती रहती है।

बनाई गई हैं कई खतरनाक सुरंगें

माफियाओं ने बंद कोलियरी से अवैध कोयला उत्खनन के लिए सैकड़ों खतरनाक सुरंग बनवा दी हैं। सुरंग से ग्रामीण मजदूर कोयला काटकर निकालते हैं। इसके लिए मजदूरों को केवल उस दिन की मजदूरी ही मिलती है, लेकिन धरती का रत्न दोहन करनेवाले माफिया लाखों का गोरखधंधा कर मालामाल हो रहे हैं। इस काम में कई गरीब मजदूरों की जान भी जोखिम में रहती है। कई मजदूर सुरंग में दबकर अपनी जान भी गंवा चुके हैं। कभी-कभी पेटरवार पुलिस और सीसीएल के सुरक्षा पदाधिकारी छापेमारी कर खानापूर्ति करते हैं, लेकिन किसी कोयला माफिया पर मामला दर्ज नहीं हो पाता है। जाहिर है, इसकी पीछे सेटिंग होगी। लिहाजा, कोयला माफियाओं का मनोबल बढ़ा रहता है और बेरोक-टोक काले हीरे का काला कारोबार चलता रहता है। इससे सीसीएल को प्रति माह लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। बताया जाता है कि सीसीएल ढोरी प्रक्षेत्र की ओर से बंद कोलियरी माइंस प्लान बनाकर आउटसोर्सिंग में यह कोलियरी चालू करने को लेकर प्रबंधन द्वारा कई बार प्रयास भी किया गया है, लेकिन सियासी कारणों से यह प्लान फेल होता रहा है। स्वाभाविक है, इसके पीछे नेताओं का अपना स्वार्थ निहित होता है।

तैयारी एयरपोर्ट अथॉरिटी सक्रियता से जुटी, टेक-ऑफ और लैंडिंग का सफल परीक्षण किया गया, 15 तक हट जाएंगे बूचड़खाने

बोकारो में नए साल में पूरी होगी उड़ने की आशा

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारोवासियों की चिर-प्रतीक्षित उड़ने की आशा अब नए साल में पूरी होने की उम्मीद बलवती दो चुकी है। जनवरी 2024 के अंत या फरवरी की शुरूआत में बोकारो हवाई अड्डे से व्यावसायिक हवाई सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया (एएआई) सक्रियता से तैयारियों में लगी है। मुख्य कार्य लाइसेंसिंग प्रक्रिया की जटिलताओं से आगे बढ़कर सावधानीपूर्वक परिचालन सुनिश्चित करना रह गया है। एएआई अधिकारी सफल और समय पर इसे लॉन्च करने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऊर्जावान तैयारियों के बीच एएआई नियामक मानकों और परिचालन बेंचमार्क को पूरा करने के लिए आवश्यक विभिन्न पहलुओं को जटिल रूप से व्यवस्थित कर रही है। इसी क्रम में एएआई अधिकारियों ने हाल ही में रनवे की पीएपीआई लाइट आदि का जायजा लिया। यह विशेष प्रकाश व्यवस्था लैंडिंग के दौरान विमान का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सात सदस्यीय टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में तीन टेक-ऑफ और लैंडिंग के माध्यम से कठोर परीक्षण शामिल था। उम्मीद है कि अगली रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) सर्वेक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी, जो हवाई सेवाओं को शुरू करने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मंत्री सिंधिया ने तय की है समय-सीमा

विदित हो कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बोकारो से व्यावसायिक उड़ान की परियोजना के लिए समय-सीमा तय की है, जिसका लक्ष्य फरवरी 2024 तक लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह को भेजे पत्र में पिछले दिनों यह जानकारी दी थी। सांसद ने कहा कि एटीआर 72 प्रकार के विमानों के परिचालन के योग्य बोकारो एयरपोर्ट का निर्माण का काम पूरा हो चुका है। चयनित एयर लाइन्स ऑपरेटर द्वारा बोकारो से कोलकाता और पटना के लिए विमान सेवा जल्द शुरू होगी। सांसद को भेजे गए अपने पत्र में श्री सिंधिया ने कहा है कि लाइसेंस प्रक्रिया फरवरी तक पूर्ण होगी। पहले फेज में उड़ानों का संचालन बोकारो से कोलकाता और पटना होगा।

विधानसभा समिति ने जताई चिंता, दिया अल्टीमेटम

झारखंड विधानसभा की गैर-आधिकारिक संकल्प समिति के अध्यक्ष केदार हाजरा ने हाल ही में बोकारो हवाई अड्डे की समस्याओं पर चर्चा की। विशेष रूप से हवाई अड्डे से अतिक्रमण, खासकर बूचड़खानों को साफ करने की अनिवार्यता पर विचार-विमर्श हुआ। डीसी सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने के लिए 15 दिसंबर 2023 तक की समयसीमा तय की गई।

अक्टूबर 2016 में शुरू हुई थी आरसीएस

केंद्रीय मंत्री ने पत्र में लिखा है कि आरसीएस (रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) में उड़ान (उड़ेगा देश का आम नागरिक) योजना के तहत बोकारो को कोलकाता और पटना से जोड़ने वाली उड़ानों के संचालन के लिए चुना गया है। हवाई अड्डे को हवाई सेवा हेतु उपयुक्त बनाने के लिए विकासात्मक और निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। बोकारो हवाई अड्डे के विकास के लिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) उड़ान, अक्टूबर 2016 में शुरू की गई थी। उड़ान योजना का उद्देश्य किफायती हवाई किराए पर देश के दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों में कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

– संपादकीय –

नीतीश सरकार का तुगलकी फरमान

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने नए-नए 'कारनामों' को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। ये सुर्खियां उन पर ही भारी पड़ती नजर आ रही हैं। कुछ दिन पहले जनसंख्या नियंत्रण को लेकर बिहार विधानसभा में महिलाओं के बारे में नीतीश कुमार ने ऐसी टिप्पणी की कि पूरे देश में न सिर्फ अपनी फजीहत करवाई, बल्कि बिहार को भी शर्मसार कर दिया। अब एक बार पुनः छुट्टियों को लेकर उनकी सरकार सवालों के घेरे में है। दरअसल, बिहार सरकार ने वर्ष 2024 के लिए जारी कैलेंडर में हिन्दू त्योहारों पर छुट्टियां कम कर दी हैं, जबकि मुस्लिम त्योहारों पर छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। इतना ही नहीं, बल्कि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती की छुट्टी रद्द कर अंबेडकर जयंती की छुट्टी दी गई है। छुट्टी की यह अधिसूचना शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई है। नए कैलेंडर के मुताबिक, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, रामनवमी, महाशिवरात्रि, तीज, वसंत पंचमी के अवसरों पर छुट्टियों में कटौती की गई है, जबकि ईद और बकरीद की छुट्टियां 3-3 दिन कर दी गई हैं। यही कारण है कि नीतीश सरकार के खिलाफ न सिर्फ सियासी हमले तेज हो गए हैं, बल्कि राज्य की बहुसंख्यक आबादी भी सरकार के इस फैसले को तुगलकी फरमान बता रही है। नीतीश सरकार के इस फैसले ने भाजपा को फिर से एक बड़ा मौका दे दिया है। यही वजह है कि भाजपा के लोग नीतीश कुमार को हिन्दू-विरोधी बता रहे हैं, उन पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। सच्चाई भी यही है कि राज्य सरकार का फैसला हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है। दरअसल, कुछ दिन पूर्व नीतीश कुमार की सरकार ने जब बिहार में जातिगत जनगणना करवाई तो उस समय भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर वोट बैंक की कुत्सित राजनीति करने के आरोप लगे। जाति आधारित सर्वे के बाद बिहार में सरकार ने नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की सीमा 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दी। लेकिन, इसे लेकर न तो कहीं कोई हलचल हुई और न ही लोगों में इसका कोई खास उत्साह नहीं दिखा। क्योंकि, सभी जानते हैं कि राज्य में हर साल औसतन कितने लोगों को सरकारी नौकरियां मिलेंगी? अब हिन्दू समाज को जातियों में बांटकर उनका वोट लेने का मंसूबा पालने वाले नीतीश कुमार ने एक खास वर्ग को खुश करने के लिए उनकी छुट्टियां बढ़ा दी हैं। इसे कदापि उचित नहीं कहा जा सकता। इसलिए सत्ता में बैठे लोगों की यह जिम्मेदारी है कि सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखकर ही कोई निर्णय लें, अन्यथा इससे समाज में वैमनस्यता फैलेगी और इसका खामियाजा नीतीश सरकार को भुगतना पड़ेगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

एआई - हमारे आविष्कार हमारी चुनौती

- दीपक झा -
स्वतंत्र पत्रकार

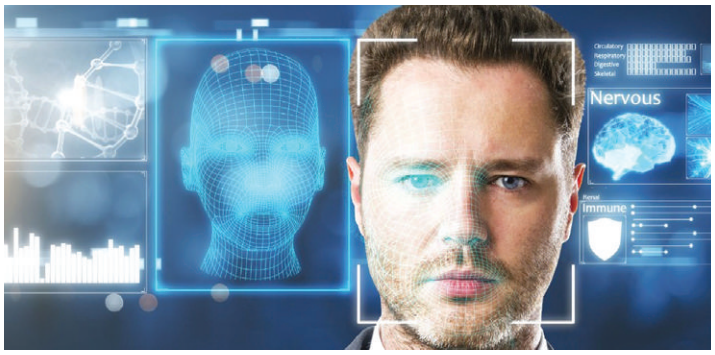

'विज्ञान - वरदान या अभिशाप', इस विषय पर बचपन से ही हम निबंध लिखते-पढ़ते चले आ रहे है। इस विषय को इजाद करने वाले की सोच आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है और शायद आगे भी बनी रहेगी। वजह स्पष्ट है, दुनिया में वैज्ञानिक जो आविष्कार मानव जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से करते हैं, वही आगे चलकर मानवता और समाज के दुश्मन बने चंद लोगों की वजह से बड़ी समस्या और एक विशाल चुनौती के रूप में खड़े हो जाते हैं। वैसे भी कहा जाता है कि हर चीज का सही और गलत उपयोग है। जिस चाकू से सब्जी काटी जा सकती है, वही अपराध में भी इस्तेमाल किया जाता है। हर क्षेत्र में आज हमारे आविष्कार सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही रूप में मौजूद हैं। पहले की तुलना में तकनीक ने निश्चय ही क्रमबद्ध तरीके से काफी तेजी से विकास किया है। इंटरनेट और डिजिटल क्रांति के इस युग में सोशल मीडिया आज अनसोशल लोगों के लिए आर्थिक एवं मानसिक शोषण का जरिया बना लिए गया है। आज एक तकनीक हर किसी की जुबान पर है, वह है 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'। हालांकि, वर्ष 1956 में ही जॉन मैकार्थी ने इसका इजाद कर दिया था, लेकिन आज यह वास्तविक रूप से धरातल पर सहयोगी के साथ-साथ बड़ी चुनौती के रूप में बनकर दिखाई दे रही है।

दुनियाभर में इस विषय पर चर्चा हो रही है कि क्या आगे चलकर इंसान की जरूरत को एआई पूरी तरह से खत्म कर देगी, रोजगार के अवसर खत्म हो जाएंगे, सारे काम मशीन ही करने लगेंगे आदि-आदि। चैट जीपीटी जैसे कई ऐसे प्लेटफार्म हैं, जो आज मानव की लेखन-क्षमता में सहायक साबित हो रहे हैं। कुछ लोग इसे पत्रकारिता जगत के लिए भी चुनौती मान रहे हैं, लेकिन हर कोई इससे सहमत नहीं। खबरों की अपनी विश्वसनीयता, शब्दों के माध्यम से भावनाओं व परिस्थितियों को अभिव्यक्त करने की कला केवल इंसानों के पास ही है, मशीन कतई नहीं कर सकती। यह पूरी तरह से सत्य नहीं है कि इंसान की जरूरत खत्म हो जाएगी। कंप्यूटर युग में क्रांतिदूत माने जाने वाले माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने भी हाल में कहा है कि एआई मानव की जरूरत को पूरी तरह खत्म करने में सक्षम नहीं है। हां, यह मददगार जरूर हो सकती है। सही बात है, जब हम सकारात्मक कार्य के लिए तकनीक की मदद लेंगे तो वह हमारे लिए वरदान का काम करेगी, लेकिन जब नकारात्मक सोच के साथ किसी दूसरे की प्रतिष्ठा को धूमिल करने, उसका आर्थिक और मानसिक शोषण करने के उद्देश्य से इन चीजों का दुरुपयोग करेंगे तो यकीनन यह वृहद समस्या और चुनौती बन जाएगी और ऐसा काम करने वाला बड़े अपराधी से कम नहीं माना जा सकता।

डीपफेक- एक तकनीकी कुकृत्य

इन दिनों हर जगह डीपफेक की चर्चा है। जाहिर है, हो भी क्यों न! जब अमेरिका, रूस जैसे महाशक्ति देशों के साथ-साथ भारत समेत कई देशों के शीर्ष राजनीतिज्ञ एवं अन्य जानी-मानी हस्तियां इसका शिकार होंगी तो चर्चा लाजिमी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री रश्मिका मंदन्ना का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें किसी और युवती की बोल्ड तस्वीर में उसका चेहरा लगाया गया था। इसके कुछ दिन बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गरबा करते हुए वीडियो सामने आया और उसे देखकर ही प्रधानमंत्री ने इसे डीपफेक की श्रेणी में रखते हुए सख्ती से इस पर नियंत्रण की बात कही थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस तरह का गरबा कभी नहीं किया, लेकिन जिस तरह से उन्हें नृत्य करते हुए दिखाया गया, वह वास्तव में चौंका देने वाला है। यह एक प्रकार से रचनात्मकता तो अवश्य है, लेकिन इतनी गहराई वाला मिथ्यात्मक प्रस्तुतीकरण अपने-आप में तकनीक के क्षेत्र में बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री की इस गंभीरता के बाद सरकार की ओर से इस प्रकार के कंटेंट को नियंत्रित नहीं करने पर संबंधित सोशल मीडिया पर कार्रवाई की बात अब कहीं जा रही है। यह आवश्यक भी है। बता दें कि बराक ओबामा, व्लादिमीर पुतिन, रतन टाटा जैसी शख्सियतें भी डीपफेक का शिकार बन चुके हैं। आज अनजान नंबर से वाट्सएप वीडियो कॉल कर कॉल रिसीव करने वाले का फेक वीडियो बनाकर उसका आर्थिक शोषण करना आम घटना बन चुका है। डीपफेक के माध्यम से किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान, राजनीतिक दुष्प्रचार, कानून-व्यवस्था का उल्लंघन, आर्थिक शोषण, निजता का उल्लंघन जैसी कई चुनौतियां आज मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग विकसित होती जा रही है, डीपफेक का खतरा भी बढ़ता चला जा रहा है। जानकारों के अनुसार वास्तविक वीडियो में किसी दूसरे के चेहरे को फिट कर देना ही डीपफेक है। एआई, मशीन लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क जैसी तकनीक के माध्यम से किसी खास शख्सियत को निशाना बनाया जाता है। हालांकि, आंख, नाक, होंठों की हरकत, त्वचा की अस्वाभाविक चमक या सिकुड़न जैसी चीजों से असली-नकली वीडियो की पहचान की जा सकती है, लेकिन यह पहचानना सबके लिए आसान नहीं है। जाहिर है, अधिकतर लोग इस सत्य ही मानेंगे और आवश्यकता इस बात की है कि जिस प्रकार सरकार ने संबंधित सोशल मीडिया को डीपफेक संबंधित कंटेंट-नियंत्रण का जिम्मेदार माना है, उसी प्रकार ऐसा करनेवालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान होना चाहिए। जिस तकनीक का इस्तेमाल कर शरारती तत्व नकली चीजों को असली बताते हैं, काउंटर टेक्नोलॉजी के जरिए दूध का दूध, पानी का पानी करने वाली व्यवस्था की भी आवश्यकता है। इसके लिए तकनीक को और कुशल और मजबूत बनाना होगा, लेकिन अब समय की यही मांग है। जब सभी स्तर पर सख्ती बरती जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी तभी इस तकनीकी कुकृत्य पर नियंत्रण लग सकता है। अन्यथा, ऐसी तकनीक पुरुष से कहीं अधिक महिलाओं या बालिकाओं की प्रतिष्ठा के लिए ज्यादा खतरनाक साबित होंगे। तकनीक जब नियंत्रित और सकारात्मक रूप में इस्तेमाल होगी, तो ही इसकी सार्थकता साबित होगी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

हुई हिम्मत की जीत

*हताश निराश हो गई थी मैं सुन भयंकर
कष्टमय बीमारी कैंसर,
लगा अब पूरे हुए दिन मेरे, अनंत पीड़ाओं
संग जाऊंगी ऊपर।
सुन रोग, कुछ ने कहा, 'आपने कोई पाप
नहीं किया, फिर कैसे कैंसर...?
अरे नासमझ, नहीं रोग को पाप-पुण्य या
अमीर-गरीब का कोई असर।*

*दारुण पीड़ा संग, मौत गलबहियां डाल मेरे
गले, लगी थी मुस्कानें,
तब बेटों ने कसम खाई, नहीं देंगे मां को
अनंत यात्रा पर जाने।
मेरे पुनर्जीवन के लिए, बहू और बहनें भी
लगीं ईश्वर को मनाने,
मेरे लिए, हित-मित सारे शुभचिंतकों की
चिंता से लगे प्रभु भी घबराने।*

*कीमो का दौर चला, आठ महीने का समय
ले, बाइस गोलियों संग,
तन की चमड़ी बदलने लगी थी, हर जगह
छाने लगा था काला रंग।
मुंह का स्वाद बिगड़ा, तेजी से घटने लगी
थी जीवन जीने की उमंग,
जैसे स्वर्ण कलश के मुंहाने लग गई हो,
बुरी नजरों की कलुषित जंग।*

*पा झांझर तन, अंदर पैठ, लंश टीबी ने भी
फेंकी थी कुटिल मुस्कान,
फिर क्या था, चला एक महीने का उपचार,
सहे औषधियों के विषैले बाण।
अस्पताल में एक-एक पल, पल-पल
लुढ़कने लगा, पीड़ामय मौत की ढलान,
मैंने भी कस ली थी कमर, जंग जीतकर
रहूंगी, जो नहीं था आसान।*

*एक माह का वह जंगी सफर, भंयकर
यातनाओं संग दिखाता रहा डर,
पीड़ा पर पीड़ा दे, लगा था हौसले की
धज्जियां उड़ानें, कलमुंहा कैंसर।
अंत में वह हारा, हुई हिम्मत की जीत,
भागा मध्यम गति से ही सही, डर,
कड़वी दवाई, हो जाती मलाई, स्वस्थ हो
रोगी, लौटता अपने घर।*

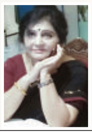

- डॉ.सविता मिश्रा 'मागधी'
(बेंगलुरू)

सरकार से जनता को काफी अपेक्षाएं गुणवत्ता का ध्यान रखें अधिकारी : एमपी

संवाददाता

बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि सरकार से जनता को काफी अपेक्षा रहती है। अधिकारी उन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें और सरकारी योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखें। जिला समाहरणालय में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक को संबोधित करते हुए सांसद श्री सिंह ने ये बातें कहीं। बैठक में बोकारो विधायक बिरंची नारायण, गोमिया विधायक डॉ. लम्बोदर महतो, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री जी., अपर नगर आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया, चास एसओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी शैलेश कुमार, जिला परिषद अध्यक्षा सुनीता देवी, सांसद प्रतिनिधि, गिरिडीह जीवन जगरनाथ, विधायक प्रतिनिधि चंदनकियारी जयदेव राय, विधायक प्रतिनिधि बेरमो मिथिलेश तिवारी सहित सभी प्रखंडो के मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद श्री सिंह ने कहा कि प्राथमिकता तय कर सरकारी योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाया जाय। योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए किसी भी परिस्थिति में गुणवत्ता में कमी नहीं रहनी चाहिए। कुछ सड़कों की मरम्मत की भी आवश्यकता है, उसपर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़क के किनारे व्याप्त झाड़ियों को हटाने का कार्य किया जाना आवश्यक है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके। इस सन्दर्भ में वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता रोड डिवीजन को स्पष्ट निर्देश दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि बहुत जगहों पर तालाब की आवश्यकता है, जबकि कुछ तालाबों का जीर्णोद्धार किया जाना है। इससे सिंचाई में बहुत सुविधा होगी। स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध रहे, जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का संचालन भी सही तरीके से किया जाना विकास का सूचक है। उन्होंने सभी कार्यों में तेजी लाने का निर्देश भी पदाधिकारियों को दिया।

हेलमेट के साथ हथियारों की भी जांच करे पुलिस

सांसद श्री सिंह ने सड़क सुरक्षा के तहत हेलमेट एवं वाहन जांच के साथ-साथ आपराधिक आर्म्स की भी जांच पर जोर दिया, ताकि किसी भी प्रकार की छोटी से छोटी घटना को टाला जा सके। पंचायत स्तर पर योजना की मांग एवं अन्य सुविधा अंतर्गत विशेष व्यवस्था के तहत पंचायत समिति में एक रजिस्टर रखे जाने का सुझाव भी उन्होंने दिया, ताकि जनता की शिकायत प्रशासन तक जल्द एवं आसान तरीके से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सरकार से जनता की बहुत अपेक्षा रहती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे चिकित्सा, शिक्षा, विधि-व्यस्था, बिजली, पानी, सड़क इत्यादि के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर धरातल पर उतारने की जिम्मेवारी जिला कलेक्टर की होती है। केंद्र सरकार द्वारा जिला प्रशासन बोकारो को प्रशस्ति पत्र भी दिया जा चुका है। इसके लिए उन्होंने उपायुक्त कुलदीप चौधरी की प्रशंसा की। बैठक में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी सहित सभी कार्यपालक अभियंता एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई : डीसी

समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने जिला खनन टास्क फोर्स समिति (डीएमटीएफ) की बैठक की। मौके पर एसडीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, एसडीओ बेरमो अनंत कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर, जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। उपायुक्त श्री चौधरी ने सभी अंचलाधिकारियों को अभियान चलाकर अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अंचलाधिकारी लघु/बड़े खनिज के अवैध खनन/परिवहन आदि पर अंकुश लगाने को लेकर सक्षम पदाधिकारी प्राधिकृत हैं। इसलिए इस तरह के मामलों पर किसी भी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं है। उपायुक्त ने कहा- आप सबों का दायित्व है कि अपने-अपने क्षेत्र में देखें कि कहां क्या हो रहा है। अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, एसडीओ, एसडीपीओ समन्वय बनाकर अपने क्षेत्र में अवैध खनन परिवहन पर सतत अभियान चलाकर कार्रवाई करें। उन्होंने अनुमंडल स्तरीय खनन टास्क फोर्स की नियमित बैठक चास एवं बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी को करने एवं उसका प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने को कहा।

स्मृति शेष बोकारो में संगीत-जगत के स्तंभ थे पं. झा, निधन पर शोक की लहर

मां काली के अनन्य भक्त थे पं. सूर्यनारायण, दुनिया से जाते-जाते भी मां काली को सुना गए कई भजन

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में संगीत जगत की स्थापना के स्तंभों में से एक पं. सूर्य नारायण झा अब इस दुनिया में नहीं रहे। 72 वर्षीय पं. झा का निधन इलाज के दौरान बोकारो जनरल अस्पताल में हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। सेक्टर- 3ए स्थित आवास संख्या 377 अपने आवास में वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ थे तथा स्वास्थ्य-लाभ ले रहे थे, परंतु इस बीच अचानक उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर बोकारो के संगीत जगत में शोक की लहर फैल गई है। उन्होंने पं. झा के निधन को बोकारो के संगीत क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताई है। पं. झा अपनी पत्नी विमला झा, दो पुत्र अरुणोदय झा व कृष्णोदय झा और पुत्री श्वेता झा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

सहरसा (बिहार) जिला स्थित बनगांव के मूल निवासी पं. सूर्य नारायण झा मां काली के अनन्य भक्तों में से एक थे। अपने स्वर एवं राग रूपी फूलों से वह मां भगवती की नित्य पूजा किया करते थे। प्रतिवर्ष नगर के सेक्टर 2डी में मैथिली कला मंच कालीपूजा ट्रस्ट द्वारा काली पूजा पर होने वाले संगीत समारोह में उनका शास्त्रीय गायन अपने-आप में अद्वितीय हुआ करता था। विद्यापति रचित 'जय-जय भैरवि...' को राग मालकोश में अलंकृत कर विशेष रूप से प्रस्तुत करना उनका अभूतपूर्व योगदान रहा है। बुलंद छवि एवं दमदार आवाज के स्वामी पं. झा जब मां काली का सुरीला आवाहन करते थे, तो ऐसा लगता था मां काली साक्षात उनके सामने प्रकट हो गई हों और सुनने वाले लोग भी भाव-विभोर हो जाया करते थे।

परिजनों ने बताया- निधन से पूर्व आया था कालीपूजा का स्वप्न

उनके परिजनों ने बताया कि मां काली से उनका लगाव ऐसा था कि अपने निधन से कुछ समय पूर्व भी वह मैया को भजन सुना गए। अहले सुबह 3 बजे उन्हें काली मंदिर पर काली पूजा का स्वप्न आया और वह उठ गए। फिर अलग-अलग रागों में मां काली के पांच भजन गाए। परिजनों ने जब उनसे पूछा तो उन्होंने कहा कि वह मां काली को गीत सुना रहे थे। बोकारो इस्पात विद्यालय के सेवानिवृत संगीत शिक्षक पं. सूर्य नारायण झा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करनेवालों में साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, तुला नंद मिश्र, गिरिजा नंद झा अर्धनारीश्वर, भुटकुन झा, संगीतज्ञ पं राणा झा, डॉ राकेश रंजन, पं बच्चनजी महाराज, शिवेन चक्रवर्ती, पं शिवपूजन मिश्र, विजय कुमार झा, अरुण पाठक, दीपक झा, रुपक कुमार झा, शारदा झा, रंजू सिंह, लिपि बोस, करिश्मा प्रसाद, उमेश कुमार झा, नरेश कुमार सिन्हा, राकेश कुमार सिंह, प्रसेनजीत शर्मा, बलराम मजुमदार, संजीव मजुमदार, निमेष राठौर, श्याम कुमार आदि सहित मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो के अध्यक्ष अनिल कुमार, उपाध्यक्ष अनिमेष कुमार झा, राजेन्द्र कुमार, महासचिव अविनाश कुमार झा सहित बटोही कुमार, ए के झा, श्रवण कुमार झा, अविनाश अवि, प्रदीप झा, आरके कर्ण, मैथिली कला मंच काली पूजा ट्रस्ट के अध्यक्ष केसी झा, महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर, गोविंद कुमार झा व अन्य के नाम शामिल हैं।

शिक्षा व संचार के विकास से अवगत रहें बच्चे : अभिनव

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 8 बी में शिक्षकों के लिए आयोजित आंतरिक प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यालय प्रबंधन विषय की जानकारी दी गई। अंतिम दिन विद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य वर्धन पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अंतर्गत सुप्रसिद्ध विचारकों एवं दार्शनिकों द्वारा दिए गए विचारों पर मानस-मंथन हुआ। कोलवर्ग द्वारा उल्लिखित नैतिक विकास के चरण के विषय में प्रशिक्षुओं को बताया गया। प्रतिभागी शिक्षकों ने व्यक्तिगत रूप में अपने प्रशिक्षण अनुभव का वर्णन किया। कार्यक्रम में आज अन्य विद्यालयों के प्राचार्य समेत बीआईएसएसएस, सेक्टर- 8 बी, बीआईएसएसएस, सेक्टर- 9 ई एवं बी आई वी, सेक्टर-11 डी के शिक्षक उपस्थित थे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के जनसम्पर्क विभाग के अभिनव शंकर ने प्रशिक्षु शिक्षक-शिक्षिकाओं को संचार तथा शिक्षा क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास से अवगत रहने का आह्वान किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दान द्वारा महान सामाजिक दायित्व निर्वहन की जिम्मेदारी निभाने का स्मरण दिलाया।

विशेष आमंत्रित अतिथि होली क्रॉस विद्यालय की प्राचार्या तथा बोकारो की उप जिला प्रशिक्षण संयोजिका कमला पॉल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए हर्ष व्यक्त किया एवं विद्यालयों में छात्र तथा शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला।

3 दिन में 100 करोड़ का घाटा, अब 90 दिन में 90 लोगों को मिलेगा रोजगार

तनाव का नया माहौल बना गया वेदांता ईएसएल का गेट जाम आंदोलन

संवाददाता
बोकारो : इलेक्ट्रो स्टील-वेदांता में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति समर्थित युवा संग्राम समिति का गेट जाम आंदोलन हिंसात्मक झड़प, नोकझोंक और तनाव की एक नई कहानी रच गया।

नौकरी की खातिर हुए आंदोलन में जिस प्रकार आंदोलनकारियों के साथ सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों की भिड़ंत हुई, दर्जनों लोग चोटिल हो गए और तोड़फोड़ की घटना हुई, उसने बोकारो को एक बार औद्योगिक अशांति के लिए सुर्खियों में झोंक दिया। हालांकि, त्रिपक्षीय वार्ता के बाद तीसरे दिन आंदोलन खत्म हो गया, लेकिन तीन दिन में ही आंदोलन असरदार रहा। कंपनी को 100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, हजारों लोग तीन दिन तक प्लांट के अंदर बंधक बने रहे और क्षेत्र में तनाव बना रहा, सो अलग। त्रिपक्षीय वार्ता में जिला प्रशासन व कंपनी के अधिकारियों के अलावा आंदोलनकारी प्रतिनिधि शामिल थे।

वार्ता के दौरान 90 दिनों के भीतर वैसे 90 लोगों की नियुक्ति दिए जाने पर सहमति बनी, जिन्होंने अपनी जमीन कंपनी की स्थापना में दी है। इसके अलावा अन्य कई मुद्दों पर भी सहमति बनी है। जबकि, दूसरी ओर वेदांता ईएसएल कंपनी को इस आंदोलन के दौरान लगभग 100 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।

सीईओ ने जताया प्रशासन व कर्मियों का आभार

आंदोलन के दौरान सोमवार को हुई हिंसा की घटनाओं के बावजूद पुलिस व प्रशासन के लोगों ने कंपनी को जो सहयोग दिया, इसके लिए सीईओ आशीष गुप्ता ने प्रशासन का आभार जताया है। एक विज्ञप्ति के हवाले से उन्होंने कहा कि वेदांता समूह की कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड कानून का पालन करने वाला संगठन है। सामुदायिक विकास प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए कंपनी को विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सरकारी और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। ईएसएल स्टील लिमिटेड उन क्षेत्रों में समाज और समुदाय के लाभ और कल्याण के लिए अथक प्रयास करता रहा है और इसके क्रियान्वयन को लेकर संजीदा है। सीईओ गुप्ता ने आंदोलनकारियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों के सौहार्दपूर्ण समाधान के बाद कहा कि हालिया नाकेबंदी के मद्देनजर ईएसएल स्टील लिमिटेड में कार्यरत कर्मचारियों सहित अधिकारियों का योगदान सराहनीय रहा कि विषम परिस्थितियों में भी वे अडिग रहे और प्लांट को सुचारू रूप से चलने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया। सभी आवश्यक सेवाएं सुचारू एवं दुर्घटना-मुक्त रहीं। लेकिन, दुर्भाग्य से नाकाबंदी के परिणामस्वरूप उत्पादन में बाधा आई और 70% की कटौती हुई, जिससे हमें 100 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि ईएसएल स्टील लिमिटेड किसी भी मुद्दे का समाधान खोजने के लिए रचनात्मक बातचीत के लिए हमेशा तैयार है।

चास में कई अड्डों पर धड़ल्ले से चल रहा जुए का खेल

संवाददाता
बोकारो : बोकारो के उपशहर चास थाना क्षेत्र में जगह-जगह जुए के अड्डे चल रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस के संरक्षण में ही यह काला कारोबार फल-फूल रहा है। बताया जाता है कि चास थाना के निकट अंसारी मुहल्ला, तेलीडीह मोड़, फोरलेन हाईवे के किनारे सहित कई अन्य जगहों पर जुए के अवैध अड्डे संचालित किये जा रहे हैं, जहां से स्थानीय पुलिस को बंधी-बधाई रकम मिलती है। इस कारोबार का मुखिया अंसारी मुहल्ले का एक निवासी बताया जाता है। इन जगहों पर रोजाना लाखों रुपये का खेल होता है। इसके कारण कुछ लोग मालामाल, तो कुछ लोग कंगाल हो रहे हैं।

अच्छी खबर ग्रामीणों के साथ बैठक में जल्द परियोजना शुरू करने पर चर्चा

खेतको में लगेगा बायोगैस और सीएनजी का प्लांट, 5000 लोगों को मिल सकेगी अब नौकरी

कहकशां बेगम
गोमिया : पेटरवार प्रखंड की खेतको पंचायत में सीएनजी, बायोगैस व बाय कोल का प्लांट लगेगा। शनिवार को शांति काम्प्लेक्स में एमसीएल कंपनी के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों व किसानों के साथ एक बैठक कर उनसे सहयोग की अपील की। कंपनी के पदाधिकारियों ने कहा कि बहुत जल्द ही उक्त परियोजना शुरू होगी। इस तरह का प्लांट लगने से क्षेत्र के हजारों बेरोजगार, महिलाओं और किसानों को सीधे तौर पर रोजगार से जोड़ा जायेगा। यही कंपनी का मिशन है।

उन्होंने कहा कि खेतको गांव मे भी जल्द बाय कोल का एक प्लांट लगेगा, जिसमें लगभग पांच हजार बेरोजगार किसानों को रोजगार मिलेगा। जबकि, बाय गैस और सीएनजी प्लांट लगने मे लगभग दो वर्षों का समय लगेगा। कहा कि इस क्षेत्र में पहला प्लांट पेटरवार प्रखंड में ही लगे, यह सुनिश्चित है। मौके पर कंपनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कंवल के अलावा प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम पांडेय, राजमोहन पाठक जिला परिषद सदस्य माला कुमारी, अमित कुमार सिंह, राज केवट, रूपेश सिंह, परवेज के अलावे दर्जनों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण महिला पुरुष और किसान उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

डीपीएस बोकारो को मिला ग्लोबल स्कूल अवार्ड

बोकारो : डीपीएस बोकारो को ग्लोबल स्कूल अवार्ड 2023 से नवाजा गया है। एकेएस एजुकेशन अवाड्र्स की ओर से नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय की ओर से उपप्राचार्य अंजनी भूषण ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय में आयोजित एक विशेष असेंबली में इसकी आधिकारिक घोषणा की गई। उपप्राचार्य ने प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार को यह गौरवपूर्ण सम्मान सुपुर्द किया। उक्त समारोह में 70 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था, जहां के शैक्षणिक प्रतिष्ठान, शिक्षक व अन्य हितधारक विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किए गए। इनमें झारखंड से एकमात्र डीपीएस बोकारो को ग्लोबल स्कूल अवार्ड पाने का सुअवसर मिला। विद्यालय को नवाचार आधारित बेहतर शैक्षणिक वातावरण मुहैया कराने तथा छात्र-छात्राओं के सर्वश्रेष्ठ समग्र विकास की श्रेणी में यह वैश्विक सम्मान प्राप्त हुआ। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों सहित समस्त विद्यालय परिवार के सहयोग का परिणाम बताया।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

बोकारो : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बोकारो जेनरल अस्पताल (बीजीएच) के प्रांगण में एड्स के प्रति एक जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डा. विभूति भूषण करुणामय ने गुब्बारा उड़ाकर किया। इस रैली में बीजीएच के नर्सिंग स्कूल की छात्राएं, ग्रुप ए एवं बी के कर्मचारी, चिकित्सक तथा स्टाफ नर्स शामिल हुए। ब्लड बैंक के प्रभारी डा. श्रवण कुमार ने कहा कि विश्व एड्स दिवस हर साल 1 दिसंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है और इस साल की थीम एड्स से ग्रस्त समुदायों का मार्गदर्शन करना है। डॉ विभूति भूषण करुणामय ने कहा कि एड्स एक गंभीर बीमारी है, जिसका खतरा ग्लोबल लेवल पर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। विश्व एड्स दिवस के खास मौके पर एचआईवी संक्रमण के प्रति सभी लोगों को जागरूक किया जाता है, इसलिए एचआईवी संक्रमण से बचाव बहुत जरूरी है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ब्लड बैंक के डा.सुरेन्द्र कुमार, नीता शि, विनीता, कविता कुमार, विभूतिका सिंह तथा कौशल का विशेष योगदान रहा।

फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बोकारो : डीपीएस चास में दो दिवसीय फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में सामुदायिक सहायक, कार्टून के पात्र, कहानियों के पात्र, यातायात, प्रकृति, स्वास्थ्य एवं सफाई, पर्व व त्योहार, भारतीय महापुरुष, विभिन्न राज्यों के परिधान, हैलोवीन फेस्टिवल व बेकार वस्तुओं से अनोखी वस्तु बनाना आदि विषयों पर बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। पहले दिन नर्सरी व प्रेप तथा दूसरे दिन प्री-नर्सरी व कक्षा-एक के बच्चों ने रंग-बिरंगे मनभावन परिधानों में मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 24 बच्चों को प्रथम, 29 बच्चों को द्वितीय व 31 बच्चों को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने कहा कि बच्चे समाज और राष्ट्र के धरोहर हैं। ऐसे कार्यक्रमों से उनके मन-मस्तिष्क में देशभक्ति की भावना जागृत होती है। डायरेक्टर डॉ. नवीन शर्मा व प्रभारी प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने भी बच्चों की प्रतिभा निखारने में ऐसा आयोजन को अहम बताया।

नक्सलियों ने पोस्टरबाजी कर फिर जताई मौजूदगी

बोकारो थर्मल : बोकारो जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया है। नावाडीह प्रखंड के नक्सल प्रभावित पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में भाकपा माओवादी नक्सलियों ने विभिन्न स्थानों पर पोस्टरबाजी कर लोगों में दहशत फैला दी। नक्सलियों ने शहीद सप्ताह एवं 22 दिसंबर के भारत बंद को लेकर पोस्टरबाजी की है। एक लंबे समय के बाद नक्सलियों ने पोस्टरबाजी कर अपनी उपस्थिति दशार्ने का काम किया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी नारा-लिखित पोस्टर जहां-तहां चिपका दिए। बाद में पुलिस ने कई स्थानों से पोस्टरों को उखाड़कर हटा दिया।

मिशन 2024 को लेकर हरेक भाजपाई तैयार, मोदी ही होंगे अगले पीएम : बाबूलाल मरांडी

सियासत... राज्य की हेमंत सरकार पर साधा निशाना, कहा - हर तरफ लूट-खसोट का आलम

संवाददाता

बोकारो : राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। मिशन 2024 को लेकर हमलोगों ने कार्यकर्ताओं के साथ कमर कस ली है। संगठन को मजबूत बनाने और जनता तक पहुंचने के लिए पार्टी कई कार्यक्रम चला रही है। शनिवार को बोकारो निवास में एक प्रेसवार्ता के दौरान श्री मरांडी ने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए जनता को भाजपा सरकार की नीतियों और मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही झारखंड की हेमंत सरकार की कमियों को भी गिनाएंगे। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के क्रम में विधानसभा क्षेत्र को भी मजबूत किया जा रहा है।

धनबाद जाने के दौरान बोकारो में प्रवास के दौरान पत्रकारों से बातचीत में श्री मरांडी ने सूबे की हेमंत सरकार पर जमकर निशान साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार आपके द्वार कार्यक्रम कर रही हैं। जबकि, हकीकत यह है कि मुख्यमंत्री अपने आप को कानून के ऊपर समझते हैं वे ईडी के द्वारा नोटिस किए जाने के बाद भी मुख्यमंत्री ईडी कार्यालय नहीं पहुंचते हैं। एक ओर सरकार यह दावा कर रही है कि सरकार आपके द्वार पहुंच रही है, लेकिन मुख्यमंत्री स्वयं मलेरिया प्रभावित गांव नहीं पहुंच पाए हैं। लोग इस बार कार्यक्रम से दूरी बना रहे हैं। पूर्व के आवेदनों को ठंडे बस्ते में आज तक डालकर रखा गया है। चारों तरफ लूट-खसोट का आलम है। यहां बालू, कोयला, पत्थर और जमीन की लूट हो रही है।

प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से विरोधी दल के मुख्य सचेतक सह बोकारो विधायक बिरंची नारायण, प्रदेश प्रवक्ता सरोज सिंह, जिला अध्यक्ष भरत यादव, संजय त्यागी, जयदेव राय, आरती राणा, महेन्द्र राय, राजीव कंठ, गोलू उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री हेमंत ने किया महिलाओं का अपमान : अर्जुन मुंडा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के चक्कर में महिलाओं का अपमान किसी भी दृष्टि से सही नहीं है और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यही किया है। उनका यह कहना कि जिस प्रकार महिलाएं ब्यूटीपार्लर से रंगाई-पुताई कराकर बाहर निकलती हैं, उसी तरह केंद्र सरकार पुरानी ट्रेनों को रंगवाकर-पुतवाकर चलाने का काम कर रही है, महिलाओं का अपमान है। साज-सज्जा करना कोई गलत बात नहीं है। बोकारो में पत्रकारों से बातचीत के दौरान श्री मुंडा ने हेमंत सरकार को आड़े हाथों लिया। भाजपा नेताओं के साथ क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की तस्वीर वायरल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि धोनी एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और किसी से मिलने जुलने पर कोई मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को लेकर चल रही है। पांच राज्यों का चुनाव लोकसभा से पहले सेमीफाइनल है। वैसे, राज्य का चुनाव और केंद्र का चुनाव दो अलग-अलग चीजें हैं। देश के चुनाव को लेकर राष्ट्रीय मुद्दे देखे जाते हैं। उन्होंने संथाल और कोल्हान के सवाल पर कहा कि यहां पार्टी मजबूत हो रही है और सिर्फ एक चुनाव भर से आकलन नहीं किया जा सकता है। मौके पर झारखंड विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक सह विधायक बिरंची नारायण, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोहित लाल सिंह, आरती राणा, भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी, लक्ष्मण नायक, बिनोद सिंह, इंदु शेखर मिश्रा, पन्नालाल कान्दू, राजीव कण्ठ, राकेश कुमार मधु, मंजीत सिंह, अजीत बाउरी, सपन गोस्वामी, रामलाल सोरेन, कनक बादशाह, गौतम सिंह आदि मौजूद रहे।

साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष ही नहीं, 'हिन्दी-प्रचारक' भी थे देशरत्न : सुलभ

विशेष संवाददाता

पटना : भारत के प्रथम राष्ट्रपति और स्वतंत्रता-संग्राम के अमर सेनानी देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की देश-सेवा से किसी भी अर्थ में कम नहीं है, उनकी हिन्दी-सेवा। वे सम्मेलन संस्थापकों में से एक थे। सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे और सम्मेलन के 'हिन्दी-प्रचारक' के रूप में दक्षिण भारत की अनेक यात्राएं कीं। उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में सम्मेलन के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्‌घाटन किया था, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने की थी। ये बातें शनिवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-सह-पुस्तक लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने जयंती पर गीतिधारा के यशस्वी कवि पं विंध्यवासिनी दत्त त्रिपाठी को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया तथा उन्हें छंद का तपस्वी-साधक बताया। इस अवसर पर विदुषी कवयित्री ऋता शेखर 'मधु' की चार पुस्तकों 'इन्द्रधनुष', 'छन के आया छन्न पकैया', 'ऐ सखी! मैं ना झूठ बोल्या' तथा 'मृणाल का बदला' का लोकार्पण वरिष्ठ कवि और बिहार के पूर्व गृह-सचिव जियालाल आर्य ने किया। उन्होंने कहा कि साहित्य, संगीत और कला वो विधाएं हैं, जिनके विना जीवन अधूरा होता है। कवयित्री ऋता जी ने साहित्य में छंद के महत्त्व को समझा है। सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, रवि रंजन, प्रो सुशील कुमार झा तथा डा मनोज गोवर्द्धनपुरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, डा पुष्पा जमुआर, कुमार अनुपम, डा प्रतिभा रानी, जय प्रकाश पुजारी, अर्जुन प्रसाद सिंह, डा मनोज गोवर्द्धनपुरी, नेहाल कुमार सिंह 'निर्मल' आदि ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। मंच संचालन कुमार कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

21 गांवों के 3 लाख लोगों ने की देवाधिदेव महादेव की पूजा

मधुबनी : मिथिला में बिहार प्रांत के मधुबनी जिला अंतर्गत बेनीपट्टी अनुमंडल क्षेत्र के सिद्धपीठ उच्चैठ के थुमानी नदी तट पर कालिदास विद्यापति विज्ञान महाविद्यालय प्रांगण में मिथिलांचल कांवरिया सह विकास सेवा ट्रस्ट के संयोजन में विश्व कल्याणार्थ सपाद कोटि (सवा करोड़) पार्थिव शिवलिंग पूजन का महा-आयोजन किया गया। इसमें 121 गांवों के लगभग 2-3 लाख लोग उपस्थित हुए और इस विशाल आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी हुए। इस महा-आयोजन को लेकर पूजा समिति महीनों से तैयारी कर रहे थे। शुक्रवार की रात से ही कई गांवों से भक्तों का आना शुरू हो गया सभी प्रातः काल से ही पार्थिव शिवलिंग बनाने में जुट गए। 11 बजे से 4 बजे तक सभी गांवों के कैंप में पूजन एवं उसके पश्चात हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इधर, खड़का बसंत के ग्रामीणों की भी इस विराट आयोजन में सहभागिता रही। ग्रामीण इसमें बड़ी संख्या में शामिल हुए। विदित हो कि गत वर्ष यह महा अनुष्ठान सौराठ और उसके पहले नेपाल में आयोजित किया गया था। इस बार मिथिला के शक्तिपीठ दुर्गास्थान में शिव-पूजन का यह जुटान अपने-आप में अलौकिक बना रहा।

पुपरी के भ्रष्टाचारी अफसरों व कर्मियों का मुंह काला करेंगे भाजपाई

मिथिला डायरी

पुपरी : पुपरी के विभिन्न सरकारी महकमों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपाई जल्द ही कालिख पोतो आंदोलन करेंगे। इसके तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ चरणबद्ध टोको-रोको और कालिख पोतो आंदोलन चलाकर रजिस्ट्री ऑफिस, जनवितरण प्रणाली के विपणन कार्यालय, अंचल, प्रखंड और अनुमंडल कार्यालयों के भ्रष्ट कर्मचारियों और पदाधिकारियों को कालिख पोती जाएगी। यह घोषणा भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुपरी के अध्यक्ष रणधीर चौधरी के आवासीय परिसर में आयोजित एक प्रेसवार्ता में दी गई। भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश भाजपा के नेता कार्तिकेष झा ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुपरी में जनवितरण प्रणाली का विपणन कार्यालय आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा है। डीलरों से प्रतिमाह मोटी रकम की उगाही की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध मुफ्त अनाज योजना में आम जनता से जबरन रुपए लिए जा रहे हैं, साथ ही प्रति यूनिट देय 5 किलोग्राम अनाज में कम मापी भी की जा रही है। भाजपा अतिपिछड़ा मोर्चा के जिलामंत्री संतोष सानू ने कहा कि पुपरी के निबंधन कार्यालय में लूट-खसोट चरम पर है। पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह जिला पार्षद संदीप ठाकुर ने कहा कि अब भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा। मौके पर नगर भाजपा अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने कहा कि मद में चूर नीतीश कुमार के भ्रष्टराज में शराबबंदी के नाम पर पूरा सरकारी तंत्र एक तरफ गरीब लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल में डाल रही है, तो दूसरी तरफ जद यू के नेता शराब माफियाओं से सांठगांठ कर घर घर शराब की होम डिलीवरी कराके उसके अवैध कमाई से सरकार बचा रही है और जद यू पार्टी को फंडिंग कर रही हैं। प्रेसवार्ता में भाजपा के लोकसभा विस्तारक देवानन्द कर्ण, भाजपा नगर उपाध्यक्ष सुजीत मिश्रा, रमण सहनी,आशीष साह आदि मौजूद रहे।

संन्यास का अर्थ ही आनन्द है

*एक अत्यंत ही सुखद अवसर था, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कार्तिक पूर्णिमा पर 'निखिल मंत्र विज्ञान' द्वारा आयोजित 'शिवोहऽम् सिद्धार्थकारी क्रियमाण संन्यास महोत्सव' का। सद्गुरुदेव निखिलेश्वरानंद एवं माता भगवती की दिव्य छत्रछाया में हजारों शिष्य पूज्य **गुरुदेव श्री नन्द किशोर श्रीमाली** जी के श्रीचरणों में बैठकर आनन्द की अनुभूति कर रहे थे। इस क्रम में पूज्य गुरुदेव ने अपने शिष्यों को निर्द्वन्द भाव से क्रियाशील बनकर जीवन जीने और परमानन्द प्राप्ति का जो संदेश दिया, प्रस्तुत हैं उनके प्रमुख अंश -*

आपके जीवन का मूल उद्देश्य है आनन्द प्राप्त करना। संन्यास का अर्थ ही आनन्द है। जो आनंद में रहता है, वही संन्यासी है। उसका स्वभाव बिल्कुल सरल है, पानी की तरह है। संसार से भागने वाला कभी संन्यासी नहीं हो सकता। इसलिए हमें 'शिवोहऽम्' का आंतरिक भाव चाहिए।

हमारा स्वधर्म ही श्रेष्ठ

आनंद तो परिवार के साथ ही मिलता है। जंगल में आप अकेले चले जाएंगे तो आनंद नहीं आएगा। परिवार प्रथम धर्म है। प्रथम धर्म हमारे स्वजन हैं। हमारा स्वधर्म ही श्रेष्ठ है। आपका स्वधर्म परिवार का कल्याण ही है। परिवार के बिना सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती। कोई भी ऋषि हों या हमारे देवी-देवता हों, वह सभी परिवार के साथ ही रहते हैं। परिवार के बिना जीवन में आनंद नहीं आ सकता।

विश्राम से ही गतिशीलता

शिव हैं हमारे जगत के आधार और जहां शिव हैं, वहां परमानंद है। जहां शिव हैं, वहीं क्रियमाण है, जहां शिव हैं, वहीं सारी सिद्धियां हैं। वही हमारी सारी कामनाओं को पूर्ण करने वाले हैं। जीवन का महत्वपूर्ण भाव है 'समभाव'। विराम-विश्राम ही हमें भाग-दौड़ के जीवन में पुनः गतिशील होने की शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य तन से नहीं, बल्कि मन से थकता है और जब मन से थक जाता है, तब उसका आंतरिक उत्साह मंद पड़ जाता है। हमें हमारी आंतरिक शक्तियों का जागरण करना है। समभाव में रहते हुए हम अपनी आंतरिक शक्तियों को किस प्रकार से जागृत करें, यह विचारणीय है। ऋतुओं का चक्र तो चलता ही रहता है। मौसम बदलता रहता है, लेकिन प्रकृति को कभी विश्राम नहीं चाहिए। बल्कि, प्रकृति में मनुष्य के लिए विराम-विश्राम आवश्यक है। प्रकृति को नहीं चाहिए विश्राम, क्योंकि जहां शक्ति हैं, वहां थकान हो ही नहीं सकती। गुरु-शिष्य का मिलन प्रकृति की लीला है। यहां बेचैनी दोनों तरफ से रहती है। जब हम प्रकृति के विरुद्ध जाते हैं तो थकान हो जाती है, तनाव आ जाता है। हमारी प्रकृति है अमृत, आनंद की प्राप्ति। अमृत कभी मरता नहीं है।

सुखदायी है सात्विक निद्रा

हिमालय पुत्री हिमालय से निकलकर गंगा सागर में ही विलीन होती हैं। यह प्रकृति का नियम है। हम कई बार प्रकृति के विरुद्ध क्रिया करते हैं, तब हमारे जीवन में विराम, विश्राम, मृत्यु के रूप में आती है। थकान से पार पाने के लिए भगवान ने हमें निद्रा का वरदान दिया है। इसलिए हमें पुनः गतिशील होने के लिए विराम चाहिए। सबसे सुखदायी है सात्विक निद्रा, क्योंकि सत्य शिव हैं। सारी बीमारियों की जड़ है- सात्विक निद्रा नहीं आना। जबकि, बच्चे को आती है सात्विक निद्रा।

गुरु सानिध्य में आशा की छाया

जीवन में ऊर्जावान बने रहने के लिए अमृत का अवगाहन जरूरी है। प्रसन्न रहना मनुष्य का मूल स्वभाव है। गुरु का कर्तव्य है कि शिष्य को थकने नहीं दें। गुरु के सानिध्य में विश्राम, आशा की छाया मिलती है। गुरु के सानिध्य में निरंतर कर्मशीलता का भाव मिलता है। गुरु के पास कर्मशील शिष्य का ही स्थान है। जब हम मन के उत्साह से काम करते हैं तो थकान नहीं आती। सबसे पहले हमें आत्म-शक्ति अर्थात अपने तंत्र को मजबूत करना है। सनातन कभी मार-काट की बात नहीं करता। हम तो आर्यावर्त के हैं। दूसरे आये, हमें डराया और हमारे ऊपर अधिकार जमा लिया। जबकि, हम सर्वधर्म समभाव की भावना रखते हैं। अपने स्वयं के भय को हमें छिन्न-भिन्न कर देना है। यह है छिन्नमस्तिका का भाव। जब सद्इच्छा होती है, तब आप शिव के समान होते हैं, क्रियमाण भाव से काम करते हैं। कर्म करना है, लेकिन शांत भाव से। भीतर एक रौद्र रूप भी होना चाहिए। उत्साह, साहस, शांति, संतोष भी हमारे भीतर रहे। मनुष्य हैं तो कामनाएं रहेंगी। कामना से ही क्रियमाण जागृत होता है। यह तृष्णा नहीं है, कामना है और कामना पूर्ति से मिली हुई शांति को ही अमृत कहा गया है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

सर्दियों में सेहत के लिए फायदेमंद है सरसों तेल की मालिश

सर्दी के दिनों में सरसों का तेल सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। यह न केवल आपके शरीर में गर्माहट पैदा करता है, बल्कि अपनी तासीर और गुणों के कारण इसका प्रयोग कई तरह की समस्याओं में औषधि के रूप में किया जा सकता है।

- सरसों के तेल की मालिश से **गठिया रोग और जोड़ो का दर्द** भी ठीक हो जाता है। ठंड के दिनों में सरसों का तेल गर्माहट के लिए रामबाण इलाज है। हल्के गर्म तेल की मसाज से रूखी-सूखी त्वचा भी नर्म, मुलायम व चिकनी हो जाती है।

- सरसों के तेल की मालिश करने से शरीर की **मांसपेशियां मजबूत** होती हैं और रक्त संचार भी बेहतर होता है। यह शरीर में गर्माहट पैदा करने में भी मददगार होता है।

- सरसों तेल को कई लोग एक टॉनिक के रूप में भी प्रयोग करते हैं। यह शरीर की कार्य क्षमता बढ़ाकर शरीर की कमजोरी को दूर करने में सहायता करता है। इस तेल की मालिश के बाद स्नान करने से शरीर और त्वचा दोनों स्वस्थ रहते हैं।

- इसमें **विटामिन ई** भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को अल्ट्रावाइलेट किरणों और पॉल्यूशन से बचाता है। साथ ही यह झाइयों और झुर्रियों से भी काफी हद तक राहत दिलाने में मदद करता है।

- **दांतों की तकलीफ** में सरसों के तेल में नमक मिलाकर रगड़ने से फायदा होता है, साथ ही दांत पहले से अधिक मजबूत हो जाते हैं।

प्रस्तुति : विकास

कोल इंडिया में बनेगा विस्थापित ट्रिब्यूनल चेयरमैन ने अनुशंसा को लेकर भरी हामी

कारोबार... विस्थापितों के मुद्दे पर सांसद चंद्र प्रकाश व विधायक डॉ. लंबोदर ने की वार्ता

संवाददाता
बोकारो : गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं गोमिया के विधायक डॉ लंबोदर महतो ने शनिवार को कोलकाता स्थित कोल इंडिया के मुख्यालय में कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद के साथ सीसीएल की विभिन्न परियोजनाओं से विस्थापितों के पुनर्वास, विभिन्न कोल एरिया व आसपास में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं कई संबंधित समस्याओं पर वार्ता की।

घंटों चली इस वार्ता में बारी-बारी से जहां कई विषयों पर सहमति बनी, वहीं कानूनी पहलुओं पर भी गौर फरमाया गया, ताकि सहमति के बाद होने वाले कार्यों में किसी प्रकार का कानूनी अड़चन नहीं आ सके। कोल इंडिया के चेयरमैन से हुई वार्ता में ढोरी, बी एंड के एवं कथारा द्वारा अधिग्रहित क्षेत्रों के 15 किलोमीटर की परिधि में आने वाले आसपास के गांव में शुद्ध पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य व शिक्षा की व्यवस्था सीएसआर के तहत करने, विस्थापित हुए परिवार के प्रत्येक आश्रित सदस्यों को पुनर्वास स्थल के जमीन को सीएमपीडीआई द्वारा जांच कर पूर्ण विकसित करते हुए बसाए जाने, कोल इंडिया के विकास कार्यों के लिए क्लिप पोर्टल में अंकित पेप कार्ड धारक (परियोजना प्रभावित परिवार) के आवासीय प्रमाण पत्र के अनुसार एक करोड़ तक का विकास कार्य का निविदा देने, एक सप्ताह के अंदर कोयला मंत्रालय भारत सरकार को विस्थापितों के हितों की रक्षा हेतु विस्थापित ट्रिब्यूनल बनाने संबंधी अनुशंसा कार्य करने, 21 सूत्री मांगों की पूर्ति के लिए कोल इंडिया के वरीय अधिकारियों की सांसद एवं विधायक के बीच जनवरी के प्रथम सप्ताह में वार्ता करने, विस्थापित कॉलोनी के 15 किलोमीटर क्षेत्र में सभी प्रकार के विकास कार्यों को सीएसआर मद के तहत करने के लिए रूप रेखा तैयार करने, आंदोलन के दौरान विस्थापित रैयत परिवार पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने, भारत सरकार पर विस्थापित परिवार के बेरोजगार युवाओं को आउटसोर्सिंग सहायक कंपनी में क्लिप पोर्टल में अंकित पेप कार्ड में आवासीय प्रमाण पत्र के आधार पर 40 हजार तक मानदेय में 75 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित करने, जमीन के बदले नौकरी व मुआवजा देने पर सहमति बनी। साथ ही बनी सहमति व लिए गये निर्णय की दो माह के अंदर समीक्षा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक करने पर भी सहमति बनी।

वार्ता में अधिवक्ता सलामुल अंसारी,काशीनाथ सिंह, संतोष महतो, गिरिजा देवी, सचिन महतो, जलाल महतो, धनेश्वर महतो, दीपक महतो, मुकेश सिंह, महेंद्र चौधरी, सुरेश महतो, मुकेश सिन्हा ,सीमा देवी, केशु महतो, मोहन महतो, तारामाती देवी, सुषमा देवी, गोपाल यादव, जानकी महतो, दशरथ महतो, जितेंद्र यादव, बुच्चू सिंह, नरेश महतो, शिवलाल रविदास, धानेश्वर महतो, बालेश्वर यादव, काली सिंह, गोविंद यादव, हेमलाल महतो, गोपाल मल्लाह, सोनू चौधरी, पंकज सिंह, चंद्रिका रजक, फलजीत महतो, सूरज कुमार, लालचंद महतो, परमेश्वर महतो, टिंकू महतो, लालमणि महतो, गीता देवी, अनीता देवी, सीमा कुमारी एवं संतोष कुमार शामिल थे।

23-24 को दिल्ली में बहेगी गुरु-ज्ञान-गंगा

संवाददाता
नई दिल्ली : 'निखिल मंत्र विज्ञान' के तत्वावधान में नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्य धाम में आगामी 23 एवं 24 दिसंबर को आयोजित ज्ञान योग आत्मभाव महोत्सव में गुरु ज्ञान की गंगा प्रवाहित होगी। सद्गुरुदेव परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद (डॉ नारायण दत्त श्रीमाली) एवं माता भगवती की दिव्य छत्रछाया में आयोजित इस महोत्सव में देश-विदेश से हजारों की संख्या में आने वाले शिष्यों को दो दिनों तक पूज्य गुरुदेव श्री नन्दकिशोर श्रीमाली जी का न सिर्फ सानिध्य प्राप्त होगा, बल्कि उन्हें सद्गुरुदेव द्वारा आत्मज्ञान जागरण तथा जीवन में जितेन्द्रिय बने रहने हेतु शक्तिपात दीक्षाएं प्रदान की जाएंगी।

योगी, साधक की परिभाषा है कि जो आत्मवित हो, संतुष्ट हो, प्रसन्न रहने वाला हो और ईश्वर ने यह भाव सभी को दिया है। यही है आत्मभाव। इस आत्मभाव का जागरण मनुष्य को गुरु के संसर्ग में ज्ञान के द्वारा प्राप्त होता है। ज्ञान का स्रोत गुरु हैं और गुरु का उद्देश्य हमारे आत्मभाव की रक्षा करना है। ज्ञान के मूल में श्रद्धा है और श्रद्धा वह है, जिसके द्वारा मनुष्य शास्त्र और सद्गुरु द्वारा दिए गए परम सार्थक उपदेशों से जीवन तत्वों का यथावत ज्ञान प्राप्त कर सकता है। ज्ञान से जीवन का विस्तार इस प्रकार होता है कि वह जीवन एक छायादार, उन्नत, परिपुष्ट, सुगंधित वृक्ष के समान हो जाता है और वह अपने फल से अपने आश्रितों की कामनाएं पूर्ण करता है और उसकी यश, गाथा समाज में सदैव प्रवाहित होती रहती है। निखिल मंत्र विज्ञान के संयोजक मनोज भारद्वाज ने दिल्ली में आयोजित आत्मभाव महोत्सव में निखिल शिष्यों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।

संकुल स्तरीय लघु-क्रीड़ा प्रतियोगिता : केवि- 1 रहा चैंपियन

विभिन्न स्पधाओं में बच्चों ने दिखाए अपने दमखम

संवाददाता
बोकारो : नगर के सेक्टर-1 स्थित केंद्रीय विद्यालय- 1 में शनिवार को संकुल स्तरीय लघु-क्रीडा प्रतियोगिता आयोजित की गई। केंद्रीय विद्यालय संगठन रांची संभाग के बोकारो संकुल में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में चार केंद्रीय विद्यालय के 183 छात्रों ने भाग ग्रहण किया। इन चार केंद्रीय विद्यालय में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 बोकारो, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 बोकारो, केंद्रीय विद्यालय चंद्रपुरा और केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, नगर सेवा, बोकारो इस्पात लिमिटेड थे। विद्यालय की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप स्काउट गाइड की कलर पार्टी ने स्काउट शिक्षक नेपाली रजक के निर्देशन में मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य अध्यापक किशन चातर एवं अभिभावक मंच के कौशल राय भी उपस्थित थे। विद्यालय की संगीत शिक्षिका मंजरी श्रीवास्तव के निर्देशन में छात्रों ने स्वागत गीत गाकर मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथिगण का स्वागत किया।

विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। हार और जीत तो जीवन के अपरिहार्य अंग हैं। जीत और हार किसी की भी हो अंततः खेल भावना को जीतना चाहिए।

प्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्य संजय प्रसाद और अन्य गणमान्य अतिथि वृंद के बीच मुख्य अतिथि कुंदन कुमार ने क्रीडा ध्वज का आरोहण किया और इस तरह खेल के विधिवत उद्घाटन की घोषणा हो गई। विद्यालय की पंचम कक्षा की छात्रा हराप्रिया बेहरा ने क्रीड़ा मशाल थामकर खेलों की निर्विघ्न समाप्ति हेतु प्रज्वलित मशाल लेकर क्रीड़ा मैदान की परिक्रमा की। विद्यालय की क्रीड़ा शिक्षिका अनु सिंह और मुकेश कुमार के निर्देशन में क्रीडा शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि खेल से तन और मन दोनों दुरुस्त होता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। छात्राओं के लिए आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 बोकारो प्रथम, केवि चंद्रपुरा द्वितीय तथा केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल को तृतीय स्थान मिला। टेनिस बॉल फेंक प्रतियोगिता में बोकारो थर्मल के कार्तिक कुमार ने प्रथम स्थान अर्जित किया। मंच का संचालन विद्यालय की शिक्षिका अर्चना कुमारी एवं जया ने किया।

इधर, रेनबो और मिथिला एकेडमी की टीमों ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

चिन्मय विद्यालय बोकारो के कीड़ा प्रांगण में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल काम्पलेक्स इंटर स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के 12 स्कूलों की 18 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग में रेनबो पब्लिक स्कूल विजेता, तो श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल उपविजेता रहा। वहीं, तीसरे स्थान पर मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल रहा। जबकि, बालिका वर्ग में मिथिला एकेडमी की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया। उपविजेता रेनबो पब्लिक स्कूल और द्वितीय उपविजेता एआरएस पब्लिक स्कूल बना। सभी खिलाड़ियों ने खूब दमखम दिखाए और रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मैच नॉक आउट के तहत खेले गए।

इसके पूर्व, वैदिक परंपरानुसार प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार, विशिष्ट अतिथि चिन्मय मिशन बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक, डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष सह डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

'कर्तव्यनिष्ठा ही पहुंचाती उन्नति के शिखर पर'

संवाददाता
चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र में पदस्थापित चार डीवीसी कर्मी सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त कर्मियों को उपहार और पौधा भेंटकर वरिष्ठ महाप्रबंधक सह-परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर और डीवीसी के अधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक सह-परियोजना प्रधान श्री ठाकुर ने कहा कि अपने कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा के ही कारण आज 75 साल की आयु पूर्ण कर डीवीसी उन्नति के शिखर पर सका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डीवीसी भविष्य में भी मुस्तैदी से अपना कर्तव्य पूरा करेगा और समाज व देश की सेवा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को एकजुट होकर सकारात्मक कार्य करते रहना चाहिए, ताकि संस्थान, समाज और देश की उन्नति होती रहे। समारोह को उप महाप्रबंधक दीपक कुमार, रवि रंजन, कंचन टोप्पो, एम के झा, सेवानिवृत कर्मी सुधीर कुमार, महेश कुमार, विकास कुमार सिंह, सुनील कुमार आदि ने भी संबोधित किया। समारोह में एल पी गुप्ता, दिलीप, अशोक चौबे, अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे।

दिल्ली की आबो-हवा हुई जहरीली

आफत... एक्यूआई 400 के पार, सांस लेना भी अब हो रहा दुश्वार, प्रदूषण से हाल बेहाल

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : दिलवालों की दिल्ली इन दिनों फिर जहरीली आबो-हवा में घिर चुकी है। प्रदूषण से दिल्लीवासियों और आसपास के एनसीआर निवासियों का हाल बेहाल है। साल के आखिरी महीने की शुरूआत से ही दिल्ली में हवा जहरीली होती दिखाई दे रही है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार पहुंच चुका है। कई प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण का स्तर 300 के पार ही दर्ज किया गया है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना दुश्वार हो गया है। पूरे नवंबर दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में लोग साफ हवा में सांस लेने को तरस गए। माह दिसंबर के पहले दिन दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। हालांकि, सप्ताह की शुरूआत में प्रदूषण स्तर में गिरावट देखी जा रही थी, जिसके कारण सुधार की उम्मीद थी, लेकिन अब प्रदूषण का स्तर दोबारा बढ़ने लगा है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। वहीं, दिल्ली के अधिकतर इलाकों में भी एक्यूआई 400 के पार रहा है। जबकि, शनिवार सुबह 6 बजे के करीब आनंदविहार इलाके में एक्यूआई 388 दर्ज किया गया था। अशोक विहार में एक्यूआई 386 दर्ज किया गया।

दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 407, द्वारका सेक्टर-8 में 400, जहांगीरपुरी में 402, लोधी रोड में 349, रोहिणी में 400, वजीरपुर में 423 और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में एक्यूआई 381 दर्ज किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर में भी हवा की हालत काफी खराब बनी हुई है। नोएडा में एक्यूआई 360, ग्रेटर नोएडा में 376, गाजियाबाद में 340, फरीदाबाद में 380 और गुरुग्राम में एक्यूआई 330 दर्ज किया गया है। 18 इलाकों की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि एक शहर की हवा कितनी प्रदूषित है।

जनिए, कितना एक्यूआई लेवल है अच्छा

एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक को अलग-अलग स्तर पर बांटा गया है, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि कहां-कैसी स्थिति है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

हवाई सेवा भी प्रभावित

लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली आने वाली फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक श्रेणी बहुत खराब में दर्ज की गई है। दिल्ली की हवा में स्मॉग की मात्रा अधिक होने के कारण लो विजिबिलिटी है।

इधर, प्रदूषण पर मोदी ने विकसित देशों को घेरा, कहा-
चंद देशों के किए की कीमत भुगत रही दुनिया

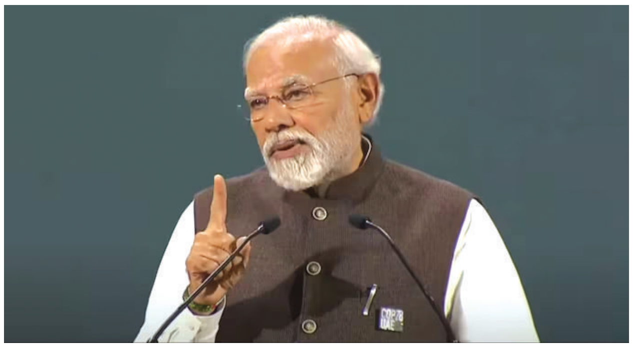

दुबई में वर्ल्ड लीडर्स के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीओपी 28 की बैठक में जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण के मसले पर विकसित देशों को घेरा। सीओपी 28 क्लाइमेट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमीर देशों पर निशाना साधा। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि सदियों पहले चंद देशों के किए की कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। जो भी देश ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं उन्हें क्लाइमेट चेंज का सामना करने के लिए विकासशील और गरीब देशों को निस्वार्थ होकर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करनी चाहिए। पीएम ने 2028 की क्लाइमेट समिट यानी सीओपी 33 भारत में होस्ट करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारत ने इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन का उदाहरण दुनिया के सामने पेश किया है। 17 फीसदी आबादी के बावजूद कार्बन उत्सर्जन में हमारी हिस्सेदारी सिर्फ 4 फीसदी है। हमारा लक्ष्य 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 45 फीसदी तक घटाना है। भारत ने ग्लोबल बायो फ्यूल एलायंस बनाया। क्लाइमेट फाइनेंस फंड को मिलियन से बढ़ाकर ट्रिलियन डॉलर तक करना चाहिए।

12 तक चलेगी समिट

सीओपी 28 क्लाइमेट समिट 12 दिसंबर तक चलेगी। इसमें पीएम मोदी के अलावा किंग चार्ल्स, ऋषि सुनक, कमला हैरिस समेत दुनियाभर के 167 नेता क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) और इसके समाधान के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। पिछले कुछ सालों में क्लाइमेट चेंज पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
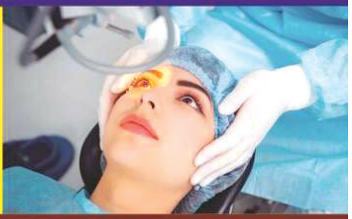
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

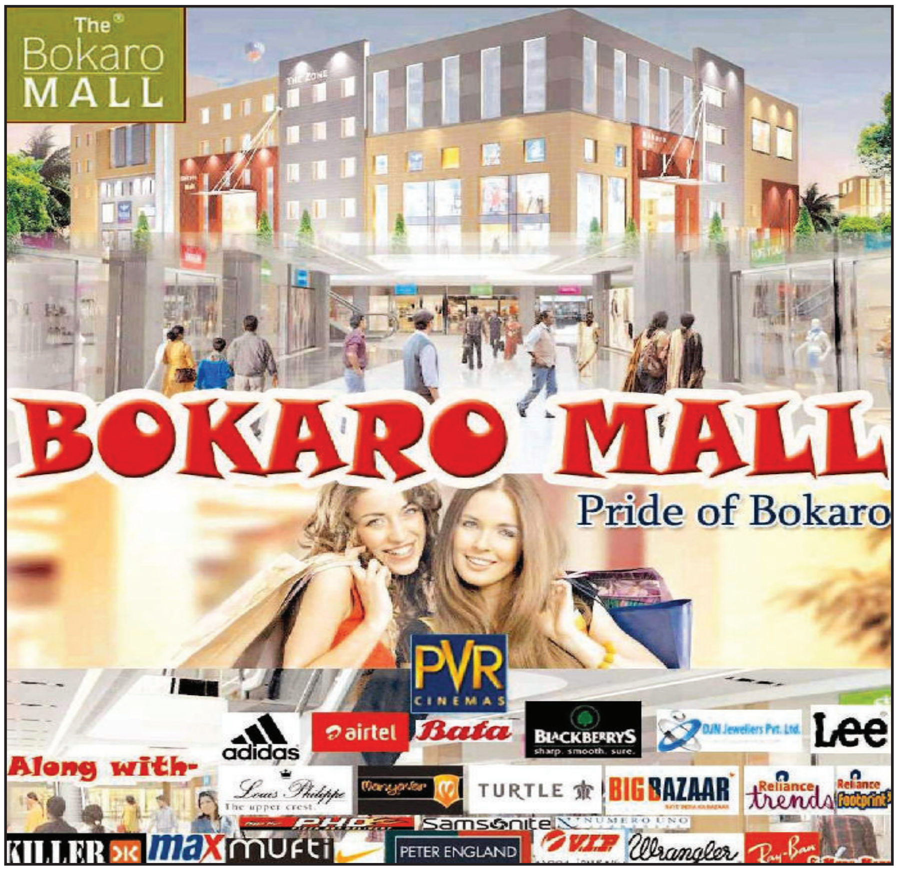

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)